DHYEYA IAS
most trusted since 2003

DAILY pre PARE
Current affairs summary for prelims

29 January, 2024

इन्सैट (INSAT) - 3DS

संदर्भ: *इसरो ने हाल ही में यह घोषणा की है, कि INSAT-3DS उपग्रह को श्रीहरिकोटा के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र में प्रक्षेपण स्थल पर भेज दिया गया है।*

➢ **इन्सैट-3DS उपग्रह; एक अवलोकन:**

- INSAT-3DS इसरो द्वारा विकसित एक मौसम संबंधी उपग्रह है।
- इस उपग्रह का प्राथमिक उद्देश्य INSAT प्रणाली की क्षमताओं को बढ़ाते हुए मौजूदा INSAT-3D और 3DR उपग्रहों द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवाओं को जारी रखना है।
- इस उपग्रह को अगले महीने जीएसएलवी एफ 14 की सहायता से लॉन्च किया जाना है।

➢ **विकास और परीक्षण:**

- अपने विकास के क्रम के दौरान उपग्रह INSAT-3DS को यू. आर. राव सैटेलाइट सेंटर बेंगलुरु में संयोजन, एकीकरण और परीक्षण किया गया।
- 25 जनवरी, 2024 को इसके उपयोगकर्ता समुदाय के सदस्यों को शामिल करते हुए एक प्री-शिपमेंट समीक्षा आयोजित की गई थी।

➢ **तकनीकी विवरण:**

- INSAT-3DS पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के सहयोग से संचालित एक उपयोगकर्ता-वित्त पोषित परियोजना है।
- इसका निर्माण इसरो द्वारा प्रमाणित I-2k बस प्लेटफॉर्म पर किया गया है तथा इसका भार 2275 किलोग्राम है।
- इस उपग्रह के विकास में भारतीय उद्योगों द्वारा भी योगदान दिया गया है।

➢ **पेलोड:**

- यह उपग्रह मौसम संबंधी भविष्यवाणी सहित भूमि और महासागरीय सतहों की निगरानी के लिए उन्नत पेलोड से लैस है।
- इन पेलोडों में 6-चैनल इमेजर, 19-चैनल साउंडर मौसम विज्ञान पेलोड, डेटा रिले ट्रांसपोंडर (डीआरटी), और सैटेलाइट-एडेड सर्च एंड रेस्क्यू (एसएएस एंड आर) ट्रांसपोंडर शामिल हैं।

➢ **कार्यक्षमता:**

- INSAT-3DS की संरचना में शामिल, डीआरटी उपकरण, स्वचालित डेटा संग्रह प्लेटफार्मों/स्वचालित मौसम स्टेशनों से मौसम संबंधी, जल विज्ञान और समुद्र संबंधी डेटा प्राप्त करता है, जिससे मौसम पूर्वानुमान क्षमताओं में वृद्धि होती है।
- एसएएस एंड आर ट्रांसपोंडर वैश्विक खोज और बचाव सेवाओं के कवरेज के लिए बीकन (Beacon) ट्रांसमीटरों से संकट संकेत/अलर्ट रिले करता है।

➢ **इनसैट उपग्रह:**

- INSAT, भारतीय राष्ट्रीय उपग्रह प्रणाली, इसरो द्वारा प्रक्षेपित भूस्थैतिक उपग्रहों की एक श्रृंखला है।
- इसका उद्देश्य दूरसंचार, प्रसारण, मौसम विज्ञान और खोज एवं बचाव अभियान तक विस्तारित है।
- इसे वर्ष 1983 में कमीशन किया गया और यह इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में सबसे बड़ी घरेलू संचार प्रणाली है।
- INSAT एक सहयोगात्मक प्रयास है जिसमें अंतरिक्ष विभाग, दूरसंचार विभाग, भारत मौसम विज्ञान विभाग, ऑल इंडिया रेडियो और दूरदर्शन जैसे व्यापक क्षेत्र शामिल हैं।
- INSAT प्रणाली के समन्वय और प्रबंधन की देखरेख सचिव-स्तरीय INSAT समन्वय समिति द्वारा की जाती है।
- INSAT उपग्रह भारत की टेलीविजन और संचार आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए इसके विभिन्न बैंडों में ट्रांसपोंडर प्रदान करते हैं।
- INSAT में शामिल कुछ उपग्रह मौसम संबंधी इमेजिंग के लिए उच्च-रिज़ॉल्यूशन रेडियोमीटर (वीएचआरआर) और सीसीडी कैमरों से लैस हैं।
- इसके अतिरिक्त, वे कोस्पास-सरसैट कार्यक्रम के हिस्से के रूप में दक्षिण एशियाई और हिंद महासागर क्षेत्र में संकट चेतावनी संकेत प्राप्त करने, खोज और बचाव अभियानों में सहायता के लिए ट्रांसपोंडर की सुविधा प्रदान करते हैं।

जलवायु परिवर्तन और युद्ध से वैश्विक व्यापार का बाधित होना

संदर्भ: *UNCTAD ने 26 जनवरी, 2024 को जलवायु परिवर्तन तथा काला सागर, लाल सागर और पनामा नहर में शिपिंग को प्रभावित करने वाले संघर्ष के कारण वैश्विक व्यापार में बढ़ते व्यवधान पर चिंता व्यक्त की है।*

➢ **वैश्विक व्यापार मार्गों पर प्रभाव:**

- जलवायु संकट और शिपिंग संघर्ष के कारण व्यापार मार्गों में कई बदलाव देखे गये हैं, इस कारण जहाज़ स्वेज़ और पनामा नहर जैसे अवरोध बिंदुओं से बचने के लिए वैकल्पिक रास्ते तलाश रहे हैं।
- काला सागर और लाल सागर जैसे प्रमुख व्यापार मार्गों में व्यवधान ने वर्षः स्थापित व्यापार पैटर्न को बदल दिया है, जिससे वैश्विक स्तर पर वस्तुओं और सेवाओं का प्रवाह प्रभावित हुआ है।

➢ **शिपिंग उद्योग की चुनौतियाँ:**

- लंबे मार्गों और तेज़ यात्रा की आवश्यकता के कारण शिपिंग उद्योग को पारगमन समय में वृद्धि, उच्च ईंधन खपत और बढ़े हुए CO2 उत्सर्जन जैसी चुनौतियों का सामना करना पड़ता है।
- शिपिंग और बीमा प्रीमियम सहित बढ़ते खर्च, पारगमन की कुल लागत में वृद्धि करते हैं, जिससे शिपिंग कंपनियों की लाभप्रदता प्रभावित होती है।

➢ **वैश्विक आर्थिक निहितार्थ:**

- गैर पारगमन बाधित होने से वैश्विक स्तर पर ऊर्जा की कीमतों में लगातार वृद्धि देखी जा रही है। विशेषतः यूरोपीय ऊर्जा आपूर्ति पर इसका प्रभाव अधिक देखा जा रहा है।
- इसके अलावा एक अन्य संकट वैश्विक खाद्य कीमतों पर भी देखा जा रहा है। यूरोप, रूस और यूक्रेन से अनाज शिपमेंट में उत्पन्न व्यवधान से, खाद्य सुरक्षा के लिए जोखिम बढ़ता जा रहा है और उपभोक्ताओं एवं उत्पादकों पर इसका समान रूप से प्रभाव पड़ रहा है।

➢ **विकासशील देशों की असुरक्षा:**

- विकासशील देश विशेष रूप से व्यापार व्यवधानों के प्रति संवेदनशील हैं और आवश्यक वस्तुओं तथा संसाधनों तक पहुँचने में कई प्रकार की चुनौतियों का सामना कर रहे हैं।
- बढ़ती व्यापार लागत और आपूर्ति श्रृंखला व्यवधानों का प्रभाव विकासशील देशों पर असंगत रूप से पड़ता है, जिससे मौजूदा आर्थिक कमजोरियाँ बढ़ती जा रही हैं।

➢ **सामूहिक कार्रवाई की आवश्यकता:**

- भू-राजनीतिक तनाव और जलवायु संबंधी व्यवधानों से उत्पन्न चुनौतियों से निपटने के लिए शिपिंग उद्योग में एक त्वरित अनुकूलन और मजबूत अंतर्राष्ट्रीय सहयोग आवश्यक है।
- साथ ही वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं के लचीलेपन को सुनिश्चित करते हुए, स्थायी समाधान विकसित करने और व्यापार जोखिमों के प्रति संवेदनशील देशों का समर्थन करने के लिए सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता है।

➢ **व्यापार और विकास पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन (अंकटाड) :**

- संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा 1964 में UNCTAD की स्थापना की गई, अब यह व्यापार और विकास के लिए विश्व का प्रमुख संगठन है।

Face to Face Centres
DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029
dhyeyaias.com

- यह एक स्थायी अंतरसरकारी निकाय के रूप में कार्य करता है, साथ ही विकासशील देशों को वैश्वीकरण के लाभों को अधिक न्यायसंगत और कुशलता से प्राप्त करने में सहायता करता है।
- समान और सतत विकास के लिए व्यापार, निवेश, वित्त और प्रौद्योगिकी का लाभ उठाने में विकासशील देशों का समर्थन करने के लिए, अंकटाड आर्थिक और व्यापार विश्लेषण करता है, आम सहमति निर्माण को बढ़ावा देता है और तकनीकी सहायता प्रदान करता है।
- अंकटाड का मुख्यालय जिनेवा, स्विट्जरलैंड में है, जो अंतरराष्ट्रीय हितधारकों के साथ प्रभावी जुड़ाव और पहल के समन्वय के लिए रणनीतिक कार्य करता है।
- व्यापार और विकास रिपोर्ट, विश्व निवेश रिपोर्ट, और अल्प विकसित देशों की रिपोर्ट इसके कुछ प्रमुख प्रकाशन हैं; वे अंतर्राष्ट्रीय सहयोग पहलों और नीतिगत निर्णयों का समर्थन करने के लिए व्यावहारिक विश्लेषण और उपयोगी जानकारी प्रदान करते हैं।

नीतीश कुमार ने नौवीं बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ली

***संदर्भ**: रविवार, 28 जनवरी को, जेडी (यू) नेता नीतीश कुमार ने नौवीं बार बिहार के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली, जो कि एक दशक से अधिक समय में राजनीतिक संबद्धताओं के बीच उनका पांचवां परिवर्तन था।*

➢ **राज्य शासन में मुख्यमंत्री के भूमिका की संवैधानिक नींव:**

- मुख्यमंत्री, राष्ट्रीय स्तर पर प्रधानमंत्री के समान, राज्य की संसदीय प्रणाली में वास्तविक कार्यकारी प्राधिकारी के रूप में कार्य करता है।
- संविधान के अनुच्छेद 163 के अनुसार मंत्रिपरिषद राज्य के प्रशासन में राज्यपाल को सहायता और सलाह देती है।
- अनुच्छेद 164 निर्दिष्ट करता है, कि राज्यपाल मुख्यमंत्री की नियुक्ति करता है, यह चयन या नियुक्ति के लिए किसी विशिष्ट प्रक्रिया की रूपरेखा नहीं बताता है।

➢ **मुख्यमंत्री नियुक्ति प्रक्रिया: संवैधानिक दिशानिर्देश और संसदीय परंपराएँ:**

- भारतीय संविधान राज्यपाल को आम तौर पर राज्य विधान सभा में बहुमत दल या गठबंधन के नेता को मुख्यमंत्री नियुक्त करने का अधिकार प्रदान करता है।
- ऐसे मामलों में जहां किसी भी एक पार्टी को स्पष्ट बहुमत नहीं मिलता है, राज्यपाल मुख्यमंत्री का चयन करने में विवेक का प्रयोग कर सकते हैं, वे अक्सर सरकार बनाने के लिए सबसे बड़ी पार्टी या गठबंधन के नेता को प्राथमिकता देते हैं।

➢ **मुख्यमंत्री चयन: संवैधानिक प्रावधान और राज्यपाल का विवेक:**

- यदि विधान सभा त्रिशंकु संसद में परिणत होती है या स्पष्ट बहुमत के अभाव में होती है, तो राज्यपाल मुख्यमंत्री की नियुक्ति के लिए व्यक्तिगत विवेक का उपयोग कर सकते हैं।
- निवर्तमान मुख्यमंत्री के आकस्मिक निधन की स्थिति में, राज्यपाल को उत्तराधिकारी नियुक्त करने में व्यक्तिगत निर्णय लेना पड़ सकता है, इस समय वे आमतौर पर सत्तारूढ़ दल द्वारा चुने गए नए नेता को चुनते हैं।

➢ **मुख्यमंत्री का कार्यकाल: शपथ, शर्तें और वेतन:**

- मुख्यमंत्री का कार्यकाल विधान सभा के विश्वास को बनाए रखने और राज्यपाल की इच्छा पर निर्भर है।
- उन्हें राज्यपाल द्वारा पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई जाती है, उनके वेतन और भत्ते राज्य विधानमंडल द्वारा निर्धारित किए जाते हैं, जो विधान सभा के सदस्य के बराबर होते हैं।

➢ **मुख्यमंत्री की शक्ति: राज्य शासन में पोर्टफोलियो, समितियाँ और राजनीतिक गतिशीलता:**

- मुख्यमंत्री के पास मंत्रिपरिषद के भीतर मंत्री पद की नियुक्ति, बर्खास्तगी और पुनः नियुक्ति संबंधी अधिकार होते हैं।
- वे विभिन्न समितियों की अध्यक्षता करते हैं और राज्य सरकार एवं राज्यपाल के बीच प्राथमिक इंटरफ़ेस के रूप में कार्य करते हैं, सत्तारूढ़ दल के हितों का प्रतिनिधित्व करते हैं और प्रशासनिक कार्यों की देखरेख करते हैं।

➢ **राज्य शासन और समन्वय में मुख्यमंत्री की भूमिका:**

- मुख्यमंत्री राज्यपाल और मंत्रिपरिषद के बीच प्रमुख समन्वयकर्ता के रूप में कार्य करता है, निर्णयों को संप्रेषित करता है और आवश्यकतानुसार जानकारी प्रदान करता है।
- साथ ही वे राज्यपाल को प्रमुख पदों पर नियुक्तियों, विधायी सत्र बुलाने और विधान सभा को भंग करने जैसे महत्वपूर्ण मामलों पर सलाह देते हैं तथा सरकारी नीतियों की चर्चा और विधायी एजेंडे का नेतृत्व भी करते हैं।

➢ **राज्य प्रशासन में मुख्यमंत्री और राज्यपाल के संबंध:**

- अनुच्छेद 163 के अनुसार मुख्यमंत्री, मंत्रिपरिषद के सभी निर्णयों की जानकारी राज्यपाल को देते हैं और अनुरोध पर आवश्यक सलाह भी प्रदान करते हैं।
- मुख्यमंत्री की भूमिका मंत्रिस्तरीय नियुक्तियों की सिफारिश करने, कैबिनेट बैठकों की अध्यक्षता करने सहित राज्य के प्रशासनिक कार्यों का समन्वय करना, प्रभावी शासन सुनिश्चित करना और संवैधानिक सिद्धांतों का पालन करना है।

NEWS IN BETWEEN THE LINES

भारत का सर्वोच्च न्यायालय

हाल ही में, भारत के प्रधान मंत्री ने भारत के सर्वोच्च न्यायालय के हीरक जयंती समारोह का उद्घाटन किया।

सर्वोच्च न्यायालय के बारे में:

- सर्वोच्च न्यायालय सर्वोच्च न्यायिक प्राधिकरण है जो अपील की अंतिम अदालत और न्यायिक समीक्षा शक्ति के साथ सर्वोच्च संवैधानिक अदालत दोनों के रूप में कार्य करता है।
- इसकी स्थापना 28 जनवरी 1950 को हुई थी, इसने भारत के संघीय न्यायालय का स्थान लिया जो ब्रिटिश औपनिवेशिक काल का सर्वोच्च न्यायालय था।
- इसके पास अपील सुनने, कानूनी उपाय प्रदान करने और भारतीय नागरिकों के अधिकारों तथा न्याय प्रणाली की रक्षा करने का अधिकार है।
- 1958 में, अदालत एक नए भवन में स्थानांतरित हो गई, जिसका उद्घाटन 4 अगस्त, 1958 को भारत के पहले राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने किया।
- भारत के सर्वोच्च न्यायालय का आदर्श वाक्य, जैसा कि उसकी मुहर पर अंकित है, "यतो धर्म ततो जया" है, जिसका अनुवाद है "जहाँ धर्म है, वहाँ विजय है।"
- भारत में सर्वोच्च न्यायालय भवन का डिजाइन आठ-तरफा बहुभुज के आकार का है, जो चक्रव्यूह जैसा दिखता है, जो प्राचीन भारतीय महाकाव्य महाभारत में वर्णित एक पौराणिक भारतीय युद्ध संरचना है।
- चिंतामणि कर द्वारा तैयार की गई और 1978 में भारत के सर्वोच्च न्यायालय में स्थापित 2.1 मीटर काली कांस्य की मूर्ति में "न्याय की माँ" को अपने दाहिने हाथ में न्याय का तराजू और बाएं हाथ में तलवार पकड़े हुए दर्शाया गया है।
- 1973 का केशवानंद भारती बनाम केरल राज्य मामला महत्वपूर्ण है क्योंकि इसके परिणामस्वरूप भारत के सर्वोच्च न्यायालय द्वारा "भारतीय संविधान के मूल संरचना सिद्धांत" का प्रतिपादन किया गया।
- सर्वोच्च न्यायालय की पहली महिला न्यायाधीश, जिन्होंने 1989 में पद की शपथ ली थी, न्यायमूर्ति एम. फातिमा बीवी थीं।

DHYEYA IAS
most trusted since 2003

DAILY pre PARE
Current affairs summary for prelims

29 January, 2024

सिमोर्ग सैटेलाइट

हाल ही में, ईरान ने सिमोर्ग (फीनिक्स) उपग्रह वाहक रॉकेट का उपयोग करके पहली बार एक साथ तीन उपग्रह लॉन्च किए।

सिमोर्ग सैटेलाइट के बारे में:

- सिमोर्ग (फीनिक्स) सैटेलाइट कैरियर लॉन्चर एक ईरानी प्रक्षेपण यान है जो अनुसंधान कार्गो को अंतरिक्ष में ले जाता है।
- यह दो चरणों वाला, तरल-ईंधन वाला रॉकेट है और ईरान के पहले अंतरिक्ष प्रक्षेपण यान सफ़ीर का उत्तराधिकारी है।
- इसका मिशन सफीर से भी भारी उपग्रहों को ऊंची कक्षा में ले जाना है।
- इससे 32 किलोग्राम (70 पाउंड) वजनी एक उपग्रह और 10 किलोग्राम से कम वजन वाले दो नैनो-उपग्रहों को 450 किमी (280 मील) की न्यूनतम कक्षा में भेजा गया।
- कायहान-2 और हतेफ-1 नाम के नैनो-उपग्रहों का उपयोग नैरोबैंड संचार और जियोपोजिशनिंग तकनीक का परीक्षण करने के लिए किया जाएगा।
- महदा नामक बड़े उपग्रह का लक्ष्य अंतरिक्ष में कई कार्गो पहुंचाने में सिमोर्ग रॉकेट की सटीकता का परीक्षण करना होगा।

पटंदूर अग्रहारा झील

हाल ही में, नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) ने पटंदूर अग्रहारा झील के बफर जोन में कथित अतिक्रमण पर कार्रवाई शुरू की है।

पटंदूर अग्रहारा झील के बारे में:

- पट्टांदूर अग्रहारा झील भारत के बेंगलुरु में 975 साल पुरानी झील है।
- झील का निर्माण 11वीं शताब्दी में राजा राजेंद्र चोल के शासन के 32वें वर्ष की स्मृति में किया गया था।
- अप्रैल में एक शिलालेख पाया गया था जिसमें झील के निर्माण के लिए राजा द्वारा भूमि उपहार में देने का उल्लेख है।

राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण:

- राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण (एनजीटी) एक विशेष न्यायिक निकाय है जो भारत में पर्यावरणीय विवादों को संभालता है।
- इसकी स्थापना 18 अक्टूबर 2010 को नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल एक्ट 2010 के तहत की गई थी।
- यह पर्यावरण संरक्षण, वन संरक्षण और अन्य प्राकृतिक संसाधनों से संबंधित नागरिक मामलों से निपटता है।
- इसमें एक अध्यक्ष, न्यायिक सदस्य और विशेषज्ञ सदस्य शामिल होते हैं, जो सभी गैर-नवीकरणीय 5-वर्षीय कार्यकाल के लिए कार्य करते हैं।
- अध्यक्ष की नियुक्ति भारत के मुख्य न्यायाधीश के परामर्श से केंद्र सरकार द्वारा की जाती है, जबकि एक चयन समिति न्यायिक और विशेषज्ञ सदस्यों की नियुक्ति के लिए जिम्मेदार होती है।

अम्ल वर्षा

तेहरान वायु प्रदूषण और अम्लीय वर्षा से संबंधित लगातार चुनौतियों का सामान्य कर रहा है।

अम्ल वर्षा के बारे में:

- अम्ल वर्षा अम्लीय घटकों, मुख्य रूप से सल्फ्यूरिक एसिड (H_2SO_4) और नाइट्रिक एसिड (HNO_3) के साथ वर्षा (बारिश, बर्फ, कोहरा) है।
- यह मुख्य रूप से कोयला और तेल जैसे जीवाश्म ईंधन जलाने के साथ-साथ ज्वालामुखी विस्फोट और बिजली गिरने जैसे प्राकृतिक स्रोतों से सल्फर डाइऑक्साइड (SO_2) और नाइट्रोजन ऑक्साइड (NO_x) के उत्सर्जन के कारण होता है।
- SO_2 और NO_x वायुमंडल में पानी और ऑक्सीजन के साथ प्रतिक्रिया करके क्रमशः सल्फ्यूरिक एसिड और नाइट्रिक एसिड बनाते हैं जिससे अम्लीय वर्षा होती है।
- इस बारिश का पीएच स्तर प्रायः 5.6 से नीचे होता है, जिसका मान 4.2 से 4.4 तक होता है।
- यह जलीय जीवन, मिट्टी की गुणवत्ता और जीवों को नुकसान पहुंचा सकता है, चूना पत्थर और संगमरमर की संरचनाओं को नष्ट कर सकता है तथा संवेदनशील पारिस्थितिक तंत्र में पौधों के विकास में बाधा उत्पन्न कर सकता है।
- फ़्लू-गैस डिसल्फराइजेशन (FGD) एक ऐसी तकनीक है जिसका उपयोग कोयला बिजली संयंत्रों में SO_2 उत्सर्जन को कम करने के लिए किया जाता है।
- पूर्वी एशिया में एसिड डिपोजिशन मॉनिटरिंग नेटवर्क (EANET) जैसे अंतर्राष्ट्रीय सहयोग कार्यक्रमों का उद्देश्य वैश्विक स्तर पर एसिड वर्षा के प्रभावों की निगरानी करना और उन्हें कम करना है।

सुर्खियों में व्यक्तित्व

गोगी सरोज पाल

गोगी सरोज पाल (3 अक्टूबर 1945 - 27 जनवरी 2024)

प्रख्यात भारतीय कलाकार और शिक्षक गोगी सरोज पाल का जन्म उत्तर प्रदेश के नेओली में हुआ था।

योगदान:

- गोगी सरोज पाल ने अपनी कलाकृतियों के माध्यम से असमान वास्तविकताओं और सशक्त महिलाओं को चित्रित किया जो अक्सर मिथकों और दंतकथाओं से प्रेरणा लेती थीं।
- गोगी सरोज पाल की प्रशंसित श्रृंखला में भिक्षुओं के एकान्त जीवन से प्रेरित "यंग मॉन्क्स" और कन्या भ्रूण हत्या के मुद्दे पर प्रकाश डालने वाली "आग का दरिया" शामिल हैं।
- उन्होंने निर्भया को समर्पित एक श्रृंखला के साथ 2012 के दिल्ली सामूहिक बलात्कार मामले जैसे सामाजिक मुद्दों पर प्रतिक्रिया व्यक्त की जिसमें एक क्रोधित महिला को दरांती के साथ दर्शाया गया है।
- उनकी कलात्मक दृष्टि भारतीय कला में एक उज्ज्वल मील के पत्थर के रूप में कायम है, उन्हें 30 से अधिक एकल प्रदर्शनियों का श्रेय दिया जाता है और कला में महिलाओं के सशक्त चित्रण की विरासत को पीछे छोड़ दिया जाता है।

पुरस्कार और सम्मान:

- गोगी सरोज पाल को कई पुरस्कार और सम्मान प्राप्त हुए, जिनमें अखिल भारतीय ग्राफिक प्रिंट प्रदर्शनी (1978, 1979, 1981) में समूह 8 पदक, 1980 में संस्कृति पुरस्कार, ललित कला अकादमी फ़ेलोशिप, संस्कृति विभाग फ़ेलोशिप और 1990 में ललित कला अकादमी से एक राष्ट्रीय पुरस्कार शामिल हैं।

नैतिक मूल्य: ईमानदारी, समर्पण, बौद्धिक जिज्ञासा, आदि।

Face to Face Centres

DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029

dhyeyaias.com

सुर्खियों में स्थल

नाइजीरिया

नाइजीरिया की संघीय सरकार ने भारत में G20 शिखर सम्मेलन के दौरान भारत के साथ किए गए 14 बिलियन डॉलर के निवेश सौदे में से 7 बिलियन डॉलर सुरक्षित कर लिए हैं।

नाइजीरिया (राजधानी: अबुजा)

अवस्थिति: नाइजीरिया गिनी की खाड़ी पर स्थित एक अफ्रीकी देश है। इसे आधिकारिक तौर पर नाइजीरिया संघीय गणराज्य के रूप में जाना जाता है।

सीमाएँ: नाइजीरिया की सीमा बेनिन गणराज्य (पश्चिम), चाड और कैमरून (पूर्व), नाइजर (उत्तर), लेक चाड (उत्तर पूर्व) और अटलांटिक महासागर के गिनी की खाड़ी (दक्षिण) के साथ लगती है।

भौतिक विशेषताऐं:

- कंदुना, नाइजर और बेनु नदियाँ नाइजीरिया की प्रमुख नदियाँ हैं।
- चब्बल वड्डी, जिसे गंगिरवाल और मौत का पहाड़ भी कहा जाता है, नाइजीरिया का सबसे ऊँचा स्थान है।
- अदामावा, माम्बिला, जोस और ओबुडु पठार सभी नाइजीरिया में हैं।
- नाइजर डेल्टा दुनिया के सबसे बड़े नदी डेल्टाओं में से एक और पृथ्वी पर तीसरा सबसे बड़ा डेल्टा है।
- **जातीय समूह:** नाइजीरिया में तीन सबसे बड़े जातीय समूह उत्तर में हौसा, पश्चिम में योरूबा और पूर्व में इग्बो हैं।

रिजर्व:

- नाइजीरिया दुनिया में पेट्रोलियम का 12वां सबसे बड़ा उत्पादक है।
- इसमें कोयला, बॉक्साइट, सोना, टिन, लौह अयस्क और अन्य जैसे अल्पदोहित खनिज भंडार का विशाल भंडार है, जिसमें पर्याप्त आर्थिक क्षमता है।

POINTS TO PONDER

- हाल ही में किस संस्था ने "पंचायती राज संस्थानों (पीआरआई) के वित्त" की रिपोर्ट जारी की है? - **भारतीय रिजर्व बैंक**
- नेशनल फोरेंसिक साइंस यूनिवर्सिटी (NFSU) का 44वां अखिल भारतीय अपराध विज्ञान सम्मेलन कहाँ हुआ? – **गांधीनगर**
- हाल ही में भारत किस देश को पछाड़कर वैश्विक स्तर पर चौथा सबसे बड़ा इक्विटी बाजार बन गया? - **हांगकांग**
- सीमा सुरक्षा बल (BSF) किस मंत्रालय के अंतर्गत कार्य करता है? - **गृह मंत्रालय**
- ग्रंथ लिपि, जिसका उपयोग एक समय संस्कृत लिखने के लिए किया जाता था, मुख्य रूप से किस भारतीय राज्य से उत्पन्न हुई थी? - **तमिलनाडु**